



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 263]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 6, 2012/ज्येष्ठ 16, 1934

No. 263]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 6, 2012/JYAISTHA 16, 1934

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जून, 2012

सं. 24/2012-सेवाकर

सा.का.नि. 431(अ).—वित्त अधिनियम 1994 (1994 का 32) की धारा 94 के उपधारा 2 के उपवाक्य (कक) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में और भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 11/2012- सेवाकर दिनांक 17 मार्च, 2012, जिसे सा.का.नि. 209 (अ), 17 मार्च, 2012 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था का अध्ययन करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा सेवाकर (मूल्य निर्धारण) नियमावली 2006 में और आगे संशोधन करती है, यथा-

1. (1) इन नियमों को सेवाकर (मूल्य निर्धारण) द्वितीय संशोधन नियमावली 2012 कहा जाएगा।

(2) ये एक जुलाई 2012 से प्रवृत्त होंगे।

(2) सेवाकर (मूल्य निर्धारण) नियमावली 2006 (एतस्मिन् पश्चात् जिसे उक्त नियमावली से संदर्भित किया गया है) में नियम 2क के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा यथा-

“2क निर्माण संविदा के निष्पादन में सेवा खण्ड के मूल्य का निर्धारण— धारा 67 के प्रावधानों के अधीन रहते हुए, निर्माण संविदा के निष्पादन ने उपर्युक्त सेवा खण्ड का मूल्य, उक्त अधिनियम की धारा 66ड. के उपवाक्य ज में संदर्भित, का निर्धारण निम्नलिखित तरीके से किया जाएगा, यथा

(1)

(i) निर्माण संख्या के निष्पादन में प्रयुक्त सेवा खण्ड का मूल्य निर्माण संविदा में प्रभारित सकल राशि घाटा उक्त निर्माण संविदा के निष्पादन में अंतरित माल के मूल्य के समतुल्य होगा।

स्पष्टीकरण- इस उपवाक्य के प्रयोजन के लिए

(क) निर्माण संविदा हेतु प्रभारित सकल राशि में मूल्य संवर्धित करना या बिक्री कर, जैसी भी स्थिति हो, जिनको कि भुगतान किया गया है या किया जाना है शामिल नहीं है?

(ख) निर्माण संविदा सेवा के मूल्य में शामिल होंगे-

(i) ऐसे निर्माण कार्य के निष्पादन में प्रयुक्त श्रम प्रभार;

(ii) श्रम एवं सेवा के लिए उक्त ठेकेदारों को भुगतान की गई राशि

(iii) नियोजन, डिजाइनिंग और शिल्पकार के शुल्क सम्बन्धी प्रभार

(iv) निर्माण संविदा के निष्पादन में प्रयुक्त मशीनरी और उपस्कर को किराये पर लेने में प्रयुक्त प्रभार

(v) पानी, बिजली, ईंधन जिनका कि निर्माण संविदा के निष्पादन में प्रयोग होता है जिसे उपभोग पदार्थों पर आने वाला खर्च

(vi) श्रमिक और सेवाओं की आपूर्ति करने वाले ठेकेदारों की संस्थापना का खर्च

(vii) श्रमिक और सेवाओं से संबंधित इसी प्रकार के अन्य खर्च

(viii) श्रमिक और सेवाओं की आपूर्ति से संबंधित सेवा प्रदाताओं द्वारा अर्जित लाभ

(ग) जिसका कि निर्माण कार्य के निष्पादन में अनुत्तरित मूल्य के स्वामित्व के वास्तविक मूल्य पर संवर्धित मूल्य कर या बिक्री का भुगतान किया गया है या किया जाने वाला है उस समय मूल्य संबंधित कर या बिक्री के भुगतान के प्रयोजन के लिए अपनाया जाने वाला ऐसा मूल्य कि माल के स्वामित्व के मूल्य के बराबर होगा जिसका कि अंतरण उक्त निर्माण संविदा के निष्पादन में किया गया है तथा जिसका उद्देश्य इस उपवाक्य के अंतर्गत निर्माण संविदा के निष्पादन में प्रयुक्त सेवा के मूल्य का निर्धारण करना है।

(ii) जिसका कि उपवाक्य (i) के अंतर्गत ऐसे मूल्य का निर्धारण नहीं किया गया है वह व्यक्ति जो ऐसे निर्माण संविदा के निष्पादन में प्रयुक्त सेवा खण्ड पर कर अदा करने का दाई है निम्नलिखित तरीके से सेवाकर का निर्धारण करेगा। यथा (क) मूल्य निर्माण कार्य के निष्पादन हेतु किये गये निर्माण संविदा के मामले में निर्माण संविदा के लिए प्रभारित कुल राशि के 40% पर भी सेवा कर का भुगतान किया जाएगा।

(ख) किसी मद के अनुरक्षण अथवा मरम्मत अथवा रि-कंडीशनिंग अथवा बहाली हेतु निर्माण संविदा के मामले में सेवा कर कार्य संविदा प्रभार हेतु ली जाने वाली कुल राशि के 70 प्रतिशत होगा।

(ग) उपवाक्य (क) तथा (ख) के अंतर्गत शामिल नहीं किये गये अन्य निर्माण संविदा के मामले में जिनमें अनुरक्षण मरम्मत तथा ग्लेजिंग, प्लास्टरिंग, फ्लोरिंग, किसी अचल संपत्ति पर इलेक्ट्रिकल फिटिंग लगाने जैसे कार्य शामिल हैं उनमें कार्य संविदा हेतु दी जाने वाली कुल राशि का 60 प्रतिशत सेवाकर देना होगा;

स्पष्टीकरण 1.- इस नियम के उद्देश्य हेतु

(क) "मूल कार्य" का तात्पर्य-

(i) सभी प्रकार के नवनिर्माण

(ii) जमीन पर सभी प्रकार के छोड़ दिये गये अथवा नष्ट निर्माण कार्यों जिनको कार्यात्मक बनाने हेतु सभी प्रकार के अतिरिक्त तथा वैकल्पिक कार्य

(iii) प्लाण्ट, मशीनरी अथवा उपकरण अथवा संरचना के निर्माण अथवा उन्हें लगाने हेतु चाहे वह बने बनाये हों अथवा नहीं

(ख) "कुल रकम" से संकर्म निर्माण संविदा के निष्पादन में उपयोग के लिए या उसके संबंध में उसी संविदा या किसी अन्य संविदा के अधीन निःशुल्क प्रदाय किए गए मालों या सेवाओं पर उदयगृहीत मूल्य वर्धित कर (i) में से ऐसी मदों अथवा सेवाओं हेतु देय राशि (ii) उन पर अतिरिक्त मूल्य कर अथवा सेवा कर यदि कोई है, को अपवर्जित करते हुए सकल रकम और सभी माल के मूल्य का कुल जोड़ अभिप्रेत है

इसके अतिरिक्त यह भी शर्त है कि इसप्रकार दी जाने वाली मदों अथवा सेवाओं का उचित मूल्य आमतौर पर अपनाये जाने वाले एकाउंटिंग सिद्धांतों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2- शंकाओं को दूर करने के लिए यह स्पष्ट हो जाता है कि कर योग्य सेवा प्रदान कर्ता किसी भी प्रकार की इनपुट पर दी जाने वाली ड्यूटी अथवा उपकर हेतु सीनवेट क्रेडिट का लाभ प्राप्त नहीं करेगा जो उसने उपर्युक्त कार्य संविदा के संबंध में सीनवेट क्रेडिट नियमावली 2004, के उपबंधों में प्रयोग हो।

(3) उपर्युक्त नियमावली में नियम 2 ख में नियम की धारा 65 के खण्ड 105 के उपखण्ड (यम) तथा (ययट) में संदर्भित शब्द, कोष्ठक, लेटर तथा आंकड़े विलोपित कर दिये जाएंगे।

(4) उपर्युक्त नियमावली में नियम 2ख के बाद निम्नलिखित नियम अंतस्थापित किया जाएगा अर्थात्

"2ग रेस्तरां या बाह्य खान-पान सेवा में भोजन या पेय की आपूर्ति में अन्विलित कराधेय सेवा मूल्य का अवधारण- धारा 67 के उपबंधों के अधीन रहते हुए किसी रेस्तरां या बाह्य खान-पान सेवा में स्वयं या किसी अन्य सेवाओं के साथ-साथ उपभोग के लिए भोजन या पेय चाहे नशे वाला हो अथवा नहीं की आपूर्ति में अन्तलित कराधेय सेवा का मूल्य, निम्नलिखित सारणी में वर्णित संबद्ध सेवाओं विवरण के सामने स्तंभ 3 में विनिर्दिष्ट कुल रकम का प्रतिशत होगा;

क्रम सं.	विवरण	कुल रकम की प्रतिशतता
1	2	3
1.	किसी रेस्तराँ में भोजन या मानव उपभोग की किसी अन्य वस्तु या किसी पेय (चाहे नशे वाला हो अथवा नहीं) की आपूर्ति में अन्तर्वलित सेवा	40
2.	बाह्य खान-पान सेवा में भोजन या मानव उपभोग के किसी अन्य वस्तु या किसी पेय (चाहे नशे वाला हो अथवा नहीं) की आपूर्ति में अन्तर्वलित सेवा	60

स्पष्टीकरण 1- इस नियम के प्रयोजनों के लिए, “कुल रकम” से भोजन या मानव उपभोग की किसी अन्य वस्तु या किसी पेय (चाहे नशे वाला हो अथवा नहीं) के उपयोग के लिए या आपूर्ति के संबंध में उसी संविदा या किसी अन्य संविदा के अधीन निःशुल्क प्रदाय किए गए मालों या सेवाओं पर उदगृहीत मूल्य वर्धित कर, यदि कोई है, को अपवर्जित करते हुए सकल रकम और सभी माल के मूल्य का कुल जोड़ अभिप्रेत है:

इसके अतिरिक्त यह भी शर्त है कि इस प्रकार दी जाने वाली मदों अथवा सेवाओं का उचित मूल्य आमतौर पर अपनाये जाने वाले एकाउंटिंग सिद्धांतों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2- शंकाओं को दूर करने के लिए स्पष्ट किया जाता है कि कर योग्य सेवाओं का प्रदानकर्ता केन्द्रीय उत्पाद कर इयूटी अधिनियम 1985 (1986 का 5) के अध्याय 1 से 22 के अंतर्गत विनिमाता किसी मद हेतु इयूटी अथवा उपस्कर के लिए सीनवेट क्रेडिट प्राप्त नहीं करेगा

5. उक्त नियम के नियम 3 में “जहां प्राप्त प्रतिफल पूर्णतः या भागतः धन से मिलकर नहीं बना है” शब्दों के स्थान पर “जहां ऐसा मूल्य निर्धारित किए जाने योग्य नहीं है” शब्द रखे जाएंगे।

6. उक्त नियमावली के, नियम 5 में, उपनियम (1) में, स्पष्टीकरण में शब्द, कोष्ठक, अक्षर और अंक “वित्त अधिनियम 1994 की धारा 65 के उपवाक्य (105) के उपवाक्य (यययभ) से विनिर्दिष्ट सेवाएं, सेवा का मूल्य वह सकल राशि होगी जिसका भुगतान ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया हो जिसको कि टेलीग्राफ प्राधिकरण द्वारा दूर संचार सेवा प्रदान की गई हो के स्थान पर शब्द” दूर संचार सेवा का मूल्य वह सकल राशि होगी जिसका भुगतान ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया हो जिनको दूर संचार सेवा वास्तव में प्रदान की गई हो” प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

7. उक्त नियम के नियम 6 में:-

(क) उपनियम (1) में-

(i) खंड (viii) में, "किसी रीति में, और" शब्दों के स्थान पर "किसी रीति" में शब्द रखे जाएंगे;

(ii) खंड (ix) में "बीमा अभिकर्ता" शब्दों के स्थान पर "बीमा अभिकर्ता; और" शब्द रखे जाएंगे;

(iii) खंड (ix) के पश्चात निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात:-

(x) मूलतः संविदागत अवधि से परे या सेवा के उपबंध से संबंधित किसी अन्य रीति में किसी सेवा के उपबंध के लिए विलंब-शुल्क या किसी अन्य नाम, चाहे जो किसी भी नाम से ज्ञात है, के द्वारा वसूली गई रकम;"

(ख) उपनियम (2) में,-

(i) खंड (iv) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात-

(iv) सम्पत्ति की बिक्री, चाहे चल हो अथवा अचल, की सेवाओं के उपबंधों हेतु किसी कारणवश देय अथवा विलंब से होने वाला भुगतान

(ii) खंड (v) के पश्चात निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्

"(vi) सेवा के उपबंध असंबंधित अप्रत्याशित कार्रवाइयों के कारण दुर्घटनाग्रस्त नुकसानियां।"

(vii) सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि तथा अनुदान जो, सेवा के मूल्य पर प्रत्यक्ष रूप से प्रभाव नहीं डालती है।

(8.) उक्त नियम में नियम 7 विलोपित किया जाएगा।

[फा. सं. 334/1/2012-टीआरयू]

राजकुमार दिग्विजय, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th June, 2012

No. 24/2012-Service Tax

G.S.R. 431(E).— In exercise of the powers conferred by clause (aa) of sub-section (2) of section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) number 11/2012 – Service Tax, dated the 17th March, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 209 (E), dated the 17th March, 2012, the Central Government, hereby makes the following rules further to amend the Service Tax (Determination of Value) Rules, 2006, namely :-

2043 GI/12-2

1. (1) These rules may be called the Service Tax (Determination of Value) Second Amendment Rules, 2012.

(2) They shall come into force from the 1st day of July, 2012.

2. In the Service Tax (Determination of Value) Rules, 2006 (hereinafter referred to as the said rules), for rule 2A, the following rule shall be substituted, namely:-

“2A. Determination of value of service portion in the execution of a works contract.- Subject to the provisions of section 67, the value of service portion in the execution of a works contract, referred to in clause (h) of section 66E of the Act, shall be determined in the following manner, namely:-

(i) Value of service portion in the execution of a works contract shall be equivalent to the gross amount charged for the works contract less the value of property in goods transferred in the execution of the said works contract.

Explanation.- For the purposes of this clause,-

(a) gross amount charged for the works contract shall not include value added tax or sales tax, as the case may be, paid or payable, if any, on transfer of property in goods involved in the execution of the said works contract;

(b) value of works contract service shall include, -

(i) labour charges for execution of the works;

(ii) amount paid to a sub-contractor for labour and services;

(iii) charges for planning, designing and architect's fees;

(iv) charges for obtaining on hire or otherwise, machinery and tools used for the execution of the works contract;

(v) cost of consumables such as water, electricity, fuel used in the execution of the works contract;

(vi) cost of establishment of the contractor relatable to supply of labour and services;

(vii) other similar expenses relatable to supply of labour and services; and

(viii) profit earned by the service provider relatable to supply of labour and services;

(c) Where value added tax or sales tax has been paid or payable on the actual value of property in goods transferred in the execution of the works contract, then, such value adopted for the purposes of payment of value added tax or sales tax, shall be taken as the value of property in goods transferred in the execution of the said works contract for determination of the value of service portion in the execution of works contract under this clause.

(ii) Where the value has not been determined under clause (i), the person liable to pay tax on the service portion involved in the execution of the works contract shall determine the service tax payable in the following manner, namely:-

(A) in case of works contracts entered into for execution of original works, service tax shall be payable on forty per cent. of the total amount charged for the works contract;

(B) in case of works contract entered into for maintenance or repair or reconditioning or restoration or servicing of any goods, service tax shall be payable on seventy percent. of the total amount charged for the works contract;

(C) in case of other works contracts, not covered under sub-clauses (A) and (B), including maintenance, repair, completion and finishing services such as glazing, plastering, floor and wall tiling, installation of electrical fittings of an immovable property, service tax shall be payable on sixty per cent. of the total amount charged for the works contract;

Explanation 1.- For the purposes of this rule,-

(a) "original works" means-

(i) all new constructions;

(ii) all types of additions and alterations to abandoned or damaged structures on land that are required to make them workable;

(iii) erection, commissioning or installation of plant, machinery or equipment or structures, whether pre-fabricated or otherwise;

(b) "total amount" means the sum total of the gross amount charged for the works contract and the fair market value of all goods and services supplied in or in relation to the execution of the works contract, whether or not supplied under the same contract or any other contract, after deducting-

- (i) the amount charged for such goods or services, if any; and
- (ii) the value added tax or sales tax, if any, levied thereon:

Provided that the fair market value of goods and services so supplied may be determined in accordance with the generally accepted accounting principles.

Explanation 2.--For the removal of doubts, it is clarified that the provider of taxable service shall not take CENVAT credit of duties or cess paid on any inputs, used in or in relation to the said works contract, under the provisions of CENVAT Credit Rules, 2004."

3. In the said rules, in rule 2B, the words, brackets, letters and figures "referred to in sub-clause (zm) and (zzk) of clause (105) of section 65 of the Act," shall be omitted.

4. In the said rules, after rule 2B, the following rule shall be inserted, namely:-

"2C. Determination of value of service portion involved in supply of food or any other article of human consumption or any drink in a restaurant or as outdoor catering.- Subject to the provisions of section 67, the value of service portion, in an activity wherein goods being food or any other article of human consumption or any drink (whether or not intoxicating) is supplied in any manner as a part of the activity at a restaurant or as outdoor catering, shall be the specified percentage of the total amount charged for such supply, in terms of the following Table, namely:-

Table

Sl. No.	Description	Percentage of the total amount
(1)	(2)	(3)
1.	Service portion in an activity wherein goods, being food or any other article of human consumption or any drink(whether or not intoxicating) is supplied in any manner as a part of the activity, at a restaurant	40
2.	Service portion in outdoor catering wherein goods, being food or any other article of human consumption or any drink(whether or not intoxicating) is supplied in any manner as a part of such outdoor catering	60

Explanation 1.- For the purposes of this rule, "total amount" means the sum total of the gross amount charged and the fair market value of all goods and services supplied in or in relation to the supply of food or any other article of human consumption or any drink (whether or not intoxicating), whether or not supplied under the same contract or any other contract, after deducting-

- (i) the amount charged for such goods or services, if any; and
- (ii) the value added tax or sales tax, if any, levied thereon:

Provided that the fair market value of goods and services so supplied may be determined in accordance with the generally accepted accounting principles.

Explanation 2.- For the removal of doubts, it is clarified that the provider of taxable service shall not take CENVAT credit of duties or cess paid on any goods classifiable under Chapters 1 to 22 of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986).".

5. In the said rules, in rule 3, for the words "where the consideration received is not wholly or partly consisting of money", the words "where such value is not ascertainable" shall be substituted.

6. In the said rules, in rule 5, in sub-rule(1), in the *Explanation*, for the words, brackets, letters and figures "services specified in sub-clause (zzzx) of clause (105) of section 65 of the Finance Act, 1994, the value of taxable service shall be the gross amount paid by the person to whom telecom service is provided by the telegraph authority", the words "the value of the telecommunication service shall be the gross amount paid by the person to whom telecommunication service is actually provided." shall be substituted.

7. In the said rules, in rule 6,-

(a) in sub-rule (1),-

- (i) in clause (viii), for the words "in any manner; and" the words "in any manner;" shall be substituted;
- (ii) in clause (ix), for the words "insurance agent", the words "insurance agent; and" shall be substituted;
- (iii) after clause (ix), the following clause shall be inserted, namely:-

“(x) the amount realised as demurrage or by any other name whatever called for the provision of a service beyond the period originally contracted or in any other manner relatable to the provision of service.”;

(b) in sub-rule (2),-

(i) for clause (iv), the following clause shall be substituted, namely:-

“(iv) interest on delayed payment of any consideration for the provision of services or sale of property, whether moveable or immoveable;”

(ii) after clause (v), the following clause shall be inserted, namely:-

“(vi) accidental damages due to unforeseen actions not relatable to the provision of service; and

(vii) subsidies and grants disbursed by the Government, not directly affecting the value of service.”.

8. In the said rules, rule 7 shall be omitted.

[F. No. 334/1/2012-TRU]

RAJKUMAR DIGVIJAY, Under Secy.